

डॉ. इलेन फिलिप्स, बाइबिल अध्ययन का परिचय, सत्र 6, यरूशलेम, सिनाई से सिय्योन तक

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. एलेन फिलिप्स और बाइबिल अध्ययन के परिचय पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 6 है, यरूशलेम सिनाई से सिय्योन तक।

खैर, हम इज़राइल के भूगोल पर अपनी श्रृंखला के अगले व्याख्यान की ओर बढ़ रहे हैं।

यह एक तरह का केंद्रबिंदु है। जैसा कि आप हमारे शीर्षक से देख सकते हैं, हम इस समय कोई क्षेत्रीय अध्ययन नहीं कर रहे हैं। हम यरूशलेम के बारे में ही बात करने जा रहे हैं और निस्संदेह, पिछली श्रृंखला के साथ संबंध, जो कि सिनाई है, के बारे में बात करने जा रहे हैं।

सिनाई में दिए गए टोरा के सभी निहितार्थों के साथ अब हम सिनाई से सिय्योन की ओर बढ़ रहे हैं। जैसा कि व्यवस्थाविवरण 12 में भगवान ने मूसा के माध्यम से कहा था, यह वह स्थान होगा जिसे भगवान ने चुना था। अब, इससे पहले कि हम इसमें उतरें, हमें बस यह समझने की ज़रूरत है कि यरूशलेम अपने व्यापक भौगोलिक संदर्भ में कहां है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमने समय-समय पर मानचित्रों पर इसका उल्लेख किया है, लेकिन अब हम केवल यह देखना चाहते हैं कि यह एक ओर यहूदा और दूसरी ओर यहूदा के बीच की सीमा के ठीक किनारे पर है। बेंजामिन ठीक उत्तर में। और मैं इसके बारे में थोड़ी देर बाद बात करने जा रहा हूँ जब हम डेविड द्वारा राजधानी को यरूशलेम ले जाने के बारे में बात करते हैं। तो यह महत्वपूर्ण होगा।

यदि आपको ऐसा लगता है कि मैं बेंजामिन के इस आदिवासी क्षेत्र की उपेक्षा कर रहा हूँ, तो ऐसा नहीं है। हम थोड़ी देर बाद एक अन्य व्याख्यान में उन सभी अद्भुत छोटे शहरों में वापस आएँगे। तो शुरुआत के लिए, यरूशलेम आज कैसा दिखता है जब आप प्रसिद्ध टेम्पल माउंट के पूर्व में खड़े होते हैं और आपको वह सुनहरा गुंबद, डोम ऑफ द रॉक दिखाई देता है।

हम टेम्पल माउंट के निहितार्थों के बारे में अधिक बात करेंगे। यरूशलेम के भजनों में केवल कुछ संदर्भों को देखना उपयोगी है। इसलिए मैं इनमें से कुछ को पढ़ने के लिए कुछ समय लेना चाहता हूँ और फिर हम थोड़ी देर बाद अतिरिक्त भजनों की ओर लौटेंगे क्योंकि हम भूगोल के बारे में सोचते हैं, खासकर डेविड क्षेत्र के शहर के बारे में।

लेकिन शुरुआत करने के लिए मुझे इन्हें पढ़ने दीजिए। भजन 48, श्लोक 11 से 14। सिय्योन पर्वत प्रसन्न हो।

यहूदा के नगर तेरे न्याय के कारण आनन्द करें। सिय्योन के बारे में चलो। इसके बारे में सब कुछ जानें।

इसकी मीनारें गिनें। इसकी प्राचीरों पर अच्छी तरह विचार करें। इसके गढ़ों में जाओ, ताकि अगली पीढ़ी को बता सकें कि यह परमेश्वर है, युगानुयुग हमारा परमेश्वर, और वह सर्वदा हमारा मार्गदर्शक बना रहेगा।

अब, दिलचस्प बात यह है कि यरूशलेम हमेशा एक किलेबंद शहर रहा है। और जैसा कि हम यरूशलेम पर एक नज़र डालने जा रहे हैं, जैसा कि हमारे पास आज भी है, वहाँ किले हैं, मीनारें हैं, और वे एक तरह से आधुनिक प्रतिनिधित्व हैं। खैर, यह ओटोमन साम्राज्य की ओर से किलेबंदी की आवश्यकता का प्रतिनिधित्व है जिसे हम वास्तव में पहले से ही भजनों में परिलक्षित देखते हैं।

कुछ और. यहां भजन 76 श्लोक 2 है। उसका निवास सेलम में स्थापित किया गया है, जो सिथ्योन में उसका निवास स्थान है। यह वास्तव में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मार्ग है क्योंकि यह हमें यह समझने में मदद करता है कि यह सलेम जिसके बारे में हमने उत्पत्ति 14 में पढ़ा है, सलेम का राजा मलिकिसिदक, वास्तव में यरूशलेम, सिथ्योन होने वाला है।

और फिर अभी के लिए एक और। भजन 102, पद 13 और 14. तू उठेगा और सिथ्योन पर दया करेगा।

यहां कुछ शब्द छोड़ें. उसके पत्थर तेरे सेवकों को प्रिय हैं। उसकी धूल ही उन्हें दया की ओर ले जाती है।

जब हम यरूशलेम जाते हैं तो पत्थर और धूल अनुभव का हिस्सा होते हैं, और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम निश्चित रूप से इसे देखेंगे। तो चलिए शुरू करते हैं और पता लगाते हैं कि आज हम कहां जाने वाले हैं, क्योंकि निस्संदेह यह एक बड़ा विषय है, और हम इसे एक घंटे से कुछ अधिक समय में समाप्त करने का प्रयास करेंगे। मैं कम से कम उस चीज़ को देखना चाहता हूँ जिसे आज पुराना शहर कहा जाता है।

यह चारदीवारी से घिरा हुआ है, और दीवारों का निर्माण 1500 के दशक में सुल्तान सुलेमान द्वारा किया गया था, और यह वास्तव में हमें यरूशलेम को थोड़ा बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। इसलिए, मैं अब पुराने शहर का एक आरेख देखना चाहता हूँ क्योंकि मैं कुछ ऐसे शब्दों का उल्लेख करने जा रहा हूँ जो पुराने शहर की संरचना के संबंध में उपयोग किए जाते हैं, यहां तक कि जब हम यरूशलेम के इतिहास के पहले हिस्सों से गुजरते हैं। इसके बाद, मैं यरूशलेम को बनाने वाली पहाड़ियों, घाटियों आदि के बारे में बात करने में थोड़ा समय बिताना चाहता हूँ।

वह महत्वपूर्ण है। कुछ भजनों को समझने की दृष्टि से भी यह महत्वपूर्ण होगा। फिर हम पुराने नियम के इतिहास पर एक त्वरित नज़र डालना चाहते हैं, विशेष रूप से कुछ पुरातात्विक चीजों के संदर्भ में जो इस संबंध में बहुत आकर्षक हैं, और फिर अंत में कुछ चीजें जो टेस्टामेंट और उसके बाद की अवधि के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं नया नियम यरूशलेम।

तो हम यही कर रहे हैं। सबसे पहले, यह हमारा समकालीन लुक है। पुराना शहर, यरूशलेम की चारदीवारी, योजनाबद्ध रूप से इस तरह दिखता है।

जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, इन दीवारों का निर्माण 1500 के दशक में सुल्तान सुलेमान द्वारा किया गया था, और इसलिए आपके पास लगभग 400 वर्षों की अवधि है जब ओटोमन साम्राज्य ने इस पूरे क्षेत्र को नियंत्रित किया था, और यरूशलेम एक प्रमुख शहर है। अब यह विभाजित है, जैसा कि हम यरूशलेम के बारे में बात करते हैं, चार भागों में। तो हमारे पास एक ईसाई क्वार्टर, एक अर्मेनियाई क्वार्टर, एक यहूदी क्वार्टर, और फिर एक मुस्लिम क्वार्टर, और निश्चित रूप से, टेम्पल माउंट ही है।

जब छात्र इस चारदीवारी वाले शहर, यरूशलेम के पुराने शहर से निपटना शुरू करते हैं, तो मैंने इसे हमेशा मददगार पाया है, इनमें से प्रत्येक सांस्कृतिक क्वार्टर के बारे में सोचना क्योंकि वे वही हैं। जैसे, सीमाएँ नहीं हैं; वे छिद्रपूर्ण हैं, तो आइए इसे इस तरह कहें। लेकिन यह सोचना उपयोगी है कि प्रत्येक तिमाही में कुछ ऐसा है जो आबादी को अपनी ओर खींचता है।

एक चुंबक यही करता है, वह चीजों को अपनी ओर आकर्षित करता है, और इसलिए इनमें से प्रत्येक तिमाही में एक चुंबक होता है। अर्मेनियाई क्वार्टर, अर्मेनियाई चर्च के लोगों के लिए, जो यहां हैं, सेंट जेम्स है, जो एक चर्च के संदर्भ में एक बहुत ही महत्वपूर्ण संरचना है, लेकिन मठ और अर्मेनियाई चर्च का केंद्रबिंदु भी यहां स्थित है।

हमारे पास क्रिश्चियन क्वार्टर है, और वह चर्च ऑफ द होली सेपुलचर होगा। नए नियम के सभी स्पष्ट कनेक्शनों के लिए हम यहां थोड़ा और समय बिताएंगे। हम अर्मेनियाई क्वार्टर में समय नहीं बिताएंगे, जो जैसे भी काफी बंद क्वार्टर है।

फिर हमारे पास मुस्लिम क्वार्टर है, और यद्यपि हम यहां सामग्री के संदर्भ में बहुत अधिक समय नहीं बिताएंगे, यहां कुछ महत्वपूर्ण खोजें होंगी जिन्हें हम देखना चाहते हैं, और फिर हम कुछ समय बिताएंगे मुस्लिम क्वार्टर में डोम ऑफ द रॉक का आधार क्या है, इसके बारे में बात करने के संदर्भ में।

और फिर, अंततः, हमारा यहूदी क्वार्टर, पश्चिमी दीवार। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से यह यहूदी समुदाय के लिए महत्वपूर्ण है। इसे, अब उनकी भाषा में, वेलिंग वॉल नहीं, बल्कि वेस्टर्न वॉल कहा जाता है, और यह उनके सबसे करीब है, और इसके बारे में हम सभी तरह की दिलचस्प बातें कह सकते हैं, लेकिन यह सबसे करीब है जहां वे पहुंच सकते हैं। मंदिर, दूसरा मंदिर, यीशु के समय में खड़ा मंदिर, पहले मंदिर का प्रतिरूपण, सबसे निकटतम स्थान जहां पवित्र स्थान रहा होगा।

इसलिए उस विशेष कारण से इसे पश्चिमी दीवार कहा जाता है। खैर, आइए जेरूसलम के हमारे क्वार्टर से स्थलाकृति पर नजर डालें, विशेष रूप से, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, पहाड़ियों और घाटियों और जल स्रोतों के संदर्भ में। इस योजनाबद्ध मानचित्र पर पुराने शहर की हमारी रूपरेखा अंकित है, जैसा कि हम इसके बारे में सोचते हैं, फिर से, 1500 से लेकर लगभग 1900 तक।

जब आप यरूशलेम जाते हैं तो वे दीवारें अभी भी खड़ी रहती हैं; आप उन्हें देख सकते हैं, लेकिन पहली चीज़ जिस पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं वह घाटियों की श्रृंखला है। बस एक नोट, वैसे, यहाँ पश्चिम की ओर एक प्रमुख प्रवेश द्वार है, उन दीवारों के पश्चिम की ओर जाफ़ा गेट में प्रमुख प्रवेश द्वार है, और उस पुराने शहर में प्रवेश करता है। अन्य द्वार भी हैं, लेकिन वह प्रमुख है।

लेकिन चलो घाटियाँ करते हैं क्योंकि ये घाटी के नाम हैं जो हमारी बाइबिल सामग्री के संदर्भ में दिखाई देते हैं, कम से कम उनमें से कुछ तो दिखाई देते हैं। यहां हमारे पास, सबसे पहले, किड्रोन घाटी है। जब हम डेविड के बारे में बात करेंगे तो हम इसके बारे में और अधिक बताएंगे।

फिर, इस समकालीन पुराने शहर की दीवार के दक्षिणी और पश्चिमी दोनों तरफ घूमती हुई हिन्नोम घाटी है। यह बात आपको हिन्नोम के पुत्रों की घाटी से परिचित हो सकती है। घाटी के लिए शब्द गाई है, और जब यह इसके बाद आने वाले उचित नाम से जुड़ा होता है, तो यह गेहिनोम, हिन्नोम की घाटी होगा, और नए नियम की अवधि में इसे ग्रीक में गेहेना के रूप में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

तो, इसे भी ध्यान में रखें। इसमें सभी प्रकार के महत्वपूर्ण कनेक्शन हैं जिन पर हम लौटेंगे। इस प्रमुख किड्रोन घाटी के बीच में, जो, वैसे, दक्षिण, दक्षिण, दक्षिण, पूर्व तक जाती है, और फिर हम अंततः मृत सागर के ऊपर रिफ्ट घाटी तक पहुंच जाएंगे।

लेकिन किसी भी कीमत पर, हमारी किड्रोन घाटी और हिन्नोम घाटी के इस झूले के बीच, हमारे पास एक बहुत छोटी लेकिन फिर भी महत्वपूर्ण और ध्यान देने योग्य चीज़ है जिसे सेंट्रल वैली कहा जाता है। जोसेफस, मुझे उस नाम के आगे एक तारांकन चिन्ह मिला है; जोसेफस ने इसे टायरोपियन घाटी कहा। वह एकमात्र व्यक्ति है जिसने इसे यह लेबल दिया है।

इसलिए, अधिकांश लोग इसे सेंट्रल वैली के रूप में सोचते हैं क्योंकि यह यरूशलेम के इस बड़े हिस्से को विभाजित कर रहा है। मैं एक क्षण में उन पहाड़ियों और यरूशलेम के विस्तार के बारे में बात करूंगा। एक पल में, मैं इस बात पर वापस आऊंगा कि मेरे पास टायरोपियन के बगल में एक तारांकन चिह्न क्यों है, लेकिन इस बीच, एक और छोटी लेकिन फिर भी महत्वपूर्ण घाटी के बारे में सोचें जो पूर्व-पश्चिम में चलती है, जो मूल रूप से जाती है, और आप अभी भी इसका अनुसरण कर सकते हैं एक आधुनिक सड़क पर, जाफ़ा गेट से लेकर इस क्षेत्र तक, जो कि टेम्पल माउंट का प्रतिनिधि है, जिस पर डोम ऑफ द रॉक खड़ा है, आधुनिक एक तरह से उद्घरण चिह्नों में है।

तो हमें वह मिल गया है। हमें यहां बज़ेटा घाटी तक कुछ घाटी संरचनाएं मिली हैं, लेकिन हम अभी उनके बारे में चिंता नहीं करेंगे। लंबे समय तक, लोगों ने जोसेफस के पदनाम टायरोपियन को पढ़ा और सोचा कि इसका मतलब चीज़मेकर्स है, और किसी को भी इस बात का अंदाज़ा नहीं था कि चीज़मेकर्स इसका हिस्सा क्यों रहे होंगे।

एक बहुत ही महत्वपूर्ण पुरातत्वविद्, उनका नाम रोनी रीच है, इस क्षेत्र में कुछ काम कर रहे हैं, और उनका सुझाव है कि इसका चीज़मेकर्स वैली से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि यह इस तथ्य

को संदर्भित करता है कि इस क्षेत्र में, उन्हें कुछ मछलियों के अवशेष मिले हैं, और इसलिए, अन्य चीजें हैं जो सुझाव देती हैं कि टायर के लोग रहे होंगे। टायर, फोनीशिया के बहुत ऊपर स्थित एक शहर है। हम इसके बारे में बाद के व्याख्यान में अधिक बात करेंगे।

वे संभवतः इस महानगरीय संस्कृति का हिस्सा थे, विशेषकर दूसरे मंदिर काल में। ऐसा तब होगा जब यीशु वहाँ थे। ऐसा तब हुआ जब जोसेफस लिख रहे थे, इस हद तक कि इसे एक ऐसे स्थान के रूप में पहचाना गया जहाँ वे वास्तव में इस क्षेत्र में रहते थे।

और इसलिए शायद जोसीफस ने इसे टायरोपियन नाम दिया है, उसका अर्थ है वे लोग जो टायर से श्रमिक हैं, जो यहाँ आए थे, अन्य चीजों के अलावा, मछली के व्यापार में लगे हुए थे, क्योंकि इस क्षेत्र में मछली की हड्डियों के प्रमाण हैं। खैर, घाटियों पर बहुत हो गया। आइए पहाड़ियों के संदर्भ में कुछ और चीजें चुनें।

वही नक्शा, और अब मेरे पास इंगित करने और हमारी थोड़ी मदद करने के लिए कुछ तीर हैं। डेविड शहर, यहीं यही क्षेत्र है। यह छोटा है, और यहाँ आपको याद रखने की आवश्यकता है।

यह निचला है। यह यहाँ आसपास की किसी भी पहाड़ी से नीचा है। वास्तव में, यदि आप यहाँ से टेम्पल माउंट तक अपना रास्ता बनाते हैं, तो आप सीधे ऊपर जा रहे हैं।

इस ऊंची पहाड़ी या इस पहाड़ी पर जाने के लिए आपको पहले एक घाटी में उतरना होगा। फिर भी, वह डेविड शहर है, जो लगभग 11 एकड़ का है। लेकिन आप खुद से पूछ सकते हैं, तो लोग किसी उच्चतर, किसी बड़ी चीज़ के विपरीत वहाँ क्यों बस गए? और इसका उस छोटी नीली चीज़ से सब कुछ लेना-देना है।

इसे देखना शायद कठिन है, लेकिन यह गिहोन कहता है, और यह जल स्रोत के बारे में बात कर रहा है। वहाँ एक झरना था। हम थोड़ी देर बाद बिंदीदार रेखा पर वापस आएं।

तो यह हमारा डेविड शहर है। ओफ़ेल, खैर, ओफ़ेल एक बहुत ही दिलचस्प शब्द है। ओफ़ेल कितना विस्तृत था, इस पर कुछ बहस चल रही है, लेकिन अधिकांश लोग सोचते हैं कि यह क्षेत्र उत्तरी छोर पर है, थोड़ा सा ऊपर, इससे ठीक पहले कि आप उस वास्तविक स्थान पर पहुंचें जिसे हम अब टेम्पल माउंट कहते हैं।

ठीक है, यहाँ, उसके ठीक उत्तर में, टेम्पल माउंट होने जा रहा है। माउंट मोरिया को उत्पत्ति 22 में इसी तरह कहा जाता है जब प्रभु इब्राहीम से कहते हैं, अपने बेटे को ले जाओ, जिसे तुम सच में प्यार करते हो, अपने इकलौते बेटे को, ओह, वैसे, जिसका नाम इसहाक है, उसे उस क्षेत्र में ले जाओ जो मैं तुम्हें दिखाऊंगा, मोरिया पर्वत, और वहाँ उसे होमबलि के रूप में चढ़ाओ। अब, इतिहास माउंट मोरिया और उस स्थान के बीच समानता बनाने जा रहा है जहाँ सुलैमान ने मंदिर बनाया था।

और, निस्संदेह, जब सोलोमन का पहला मंदिर नष्ट हो जाएगा, तो दूसरा मंदिर उसी मूल स्थान पर फिर से बनाया जाएगा। तो, दो अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र, डेविड शहर, एक जल स्रोत, और टेम्पल माउंट, इसके ठीक उत्तर में हैं। लेकिन हमें कुछ अन्य बातों पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

मैंने आपसे कहा है कि यह क्षेत्र, वेस्टर्न हिल, ऊंचा है। जैसा कि आप देख सकते हैं, यह बड़ा भी है। और यह एक ऐसा क्षेत्र होगा, जैसे-जैसे हिजकिय्याह के शासनकाल में शहर का विस्तार हुआ, हम एक क्षण में उन कारणों पर वापस लौटेंगे कि ऐसा क्यों था।

लेकिन जैसे-जैसे इसका विस्तार हुआ, लोग अब यहां नहीं रह सकते थे, और इसलिए वे इस ऊपरी शहर क्षेत्र में रहने जा रहे हैं। जाहिर है, जैसा कि आप देख सकते हैं, उस ऊपरी शहर क्षेत्र का हिस्सा जिसे अब हम अर्मेनियाई क्वार्टर और यहूदी क्वार्टर के रूप में जानते हैं जो इस क्षेत्र में है। हमारे पास माउंट ऑफ ऑलिव्स भी है, जो एक लंबी पर्वत श्रृंखला है जो यहां उत्तर की ओर जाती है।

हिब्रू विश्वविद्यालय का वहां एक परिसर है। हमारे यहां कुछ महत्वपूर्ण संरचनाएं हैं जो विशेष रूप से यीशु के मंत्रालय में कुछ महत्वपूर्ण चीजों का स्मरण कराती हैं। वहाँ जैतून पर्वत महत्वपूर्ण होगा।

खैर, मैंने इस तथ्य का उल्लेख किया कि डेविड शहर इसके आसपास के बाकी पहाड़ों की तुलना में निचला है। और अब जब हमारे दिमाग में वह तथ्य आ गया है तो आइए कुछ और भजन चुनें जो उतने ही महत्वपूर्ण हैं। भजन 121, श्लोक 1, दाऊद का एक भजन।

उस क्षेत्र में डेविड के बारे में सोचें जिसे हम डेविड का शहर कह रहे हैं। पश्चिम की ओर देखें तो यह ऊंचा है। दक्षिण की ओर देखने पर वे भी ऊँचे हैं।

पूर्व की ओर जैतून पर्वत की ओर देखने पर यह ऊँचा है। उत्तर की ओर देखें तो यह ऊंचा है। और वह कहता है, मैं अपनी आंखें पहाड़ों की ओर उठाऊंगा।

मेरी सहायता कहाँ से आती है? मेरी सहायता प्रभु से आती है, जिसने स्वर्ग और पृथ्वी बनाई। फिर, यह इस बारे में बात करता है कि भगवान उनके रक्षक हैं, भगवान कभी सोते या सोते नहीं हैं। तो यह पहला है, जिसमें अब एक और खिड़की है जैसा कि हम इसके स्थलाकृतिक संदर्भ में सोचते हैं।

और फिर इसी तरह, नीचे की ओर बस कुछ स्तोत्र, आपके पास 125, पद 2 है। और फिर, अपने आप को उस संदर्भ में कल्पना करें जो हमारा स्थलाकृतिक मानचित्र हमें दिखाता है। जैसे पहाड़ यरूशलेम को घेरे रहते हैं, वैसे ही यहोवा अपनी प्रजा को अब और सर्वदा घेरे रहता है। और यह एक भजन है जो विश्वास व्यक्त करता है क्योंकि भगवान वास्तव में चारों ओर की देखभाल, सुरक्षित चारों ओर है।

हमेशा ध्यान रखें कि उस समय जीना बचाव का मामला था, और भगवान यहां रक्षक हैं। खैर, घाटियों के मामले में इससे हमें मदद मिलती है। यह हमें पहाड़ियों के संदर्भ में मदद करता है।

हमें उस जल स्रोत का उल्लेख करना होगा जिसके बारे में मैंने कुछ देर पहले बात की थी। गिहोन इस वसंत के बाइबिल पाठ में नाम है। वैसे, पाठ में इसे कभी भी स्प्रिंग नहीं कहा गया है।

वसंत के लिए वह शब्द, ईन या एन, वहाँ नहीं है। इसे सिर्फ गिहोन कहा जाता है, और इस शब्द का अर्थ है तेजी से बहने वाला। और यह छिटपुट रूप से आगे-पीछे फूटता है, लेकिन आप पानी की मात्रा के संदर्भ में वहाँ डेटा देख सकते हैं।

और यह वैकल्पिक हो सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि साल में कितनी बारिश होती है। जहाँ गीहोन जमीन से निकलता है, डेविड के समय से काफी पहले, शायद मध्य कांस्य, हमारे पास एक बड़ा पूल है जो सीधे आधारशिला में खुदा हुआ था। हम एक क्षण में उसके अंश देखेंगे। इसे स्प्रिंग पूल कहा जाता है।

यह अंततः झरने से आने वाले पानी का भंडार बन गया। फिर, डेविड द्वारा इस शहर को अपनी राजधानी के रूप में संभालने से बहुत पहले, वहाँ ऐसे चैनल थे जो चट्टानों के माध्यम से काटे गए थे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि झरने से निकलने वाला पानी सबसे उपयोगी होने के मामले में सही दिशा में जा रहा है। चैनल 2 कनानी काल या कांस्य काल से है।

जैसे-जैसे समय बीतता है, हमारे पास हिजकिय्याह है। हमने पहले ही उनका उल्लेख एक बहुत ही महत्वपूर्ण राजा के रूप में किया है, एक ऐसा राजा जो सुधार करने वाला राजा था, लेकिन एक राजा भी था, और हम इतिहास के बारे में थोड़ा और बात करने जा रहे हैं, लेकिन एक ऐसा राजा भी जिसे संघर्ष करना पड़ा सन्हेरीब के व्यक्ति में असीरियन और असीरियन हमले के साथ। वैसे, सन्हेरीब ने शेखी बघारी कि उसने हिजकिय्याह को यरूशलेम के पिंजरे में एक पक्षी की तरह फँसा दिया था।

खैर, इसमें पृष्ठभूमि का बहुत सारा इतिहास है, और सन्हेरीब द्वारा संभवतः यह दावा करने से कुछ वर्ष पहले की बात है। आप उन सभी को 2 राजाओं में सुलझा सकते हैं, लेकिन एक चीज जो हम सीखते हैं, और यह वास्तव में बाइबिल के ग्रंथों, दोनों राजाओं और इतिहास में इंगित किया गया है, वह यह है कि हिजकिय्याह ने यरूशलेम के बाहर जल स्रोतों को रोक दिया था, इसलिए दुश्मन सेनाएं जो उसकी घेराबंदी करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वे उन तक नहीं पहुंच सके, लेकिन वह झरने से पानी को एक ऐसी जगह ले आया, जहां से उन्हें पानी मिल सके। तो हिजकिय्याह की सुरंग खुदी हुई थी, और हम एक शिलालेख पर वापस आने जा रहे हैं जो हमें इसकी याद दिलाता है, जो झरने से लेकर दक्षिणी छोर पर एक पूल तक जाता है।

बस उस आरेख पर छोटी बिंदीदार नीली रेखा याद रखें जिसे मैंने कुछ समय पहले बनाया था या आपको दिखाया था, और उसके बाद यह एक एस-वक्र बनाता है, और यह एक छोटे से पूल में उतरता है, और वह शिलोहाच का पूल होगा। इस प्रकार यशायाह 8 शिलोहाक के जल को संदर्भित करता है, लेकिन नए नियम के काल में, यह सिलोम का काल बन जाएगा। अतिरिक्त जल स्रोतों के संदर्भ में, यहां हमारे पूरे समय के संबंध में, ध्यान दें कि हमने गिहोन स्प्रिंग से लेकर हमेशा वहां काम किया है, स्प्रिंग पूल, मध्य कांस्य, चैनल 2, कनानी कांस्य क्षेत्र।

हिजकिय्याह की सुरंग, हम 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व के बारे में बात कर रहे हैं, और अब टेम्पल माउंट के उत्तर में पूल इंटरटेस्टामेंटल काल और न्यू टेस्टामेंट के समय के हैं। फिर रोमन यहाँ हैं, और वे भी, पानी के प्रवाह के संबंध में कुछ दिलचस्प काम करने जा रहे हैं। इसलिए कुछ जलसेतुओं की भी खोज हुई है, जो विशेष रूप से टेम्पल माउंट क्षेत्र में पानी लाती हैं। खैर, शायद कुछ चित्र और पुनर्निर्माण, या, क्षमा करें, कलात्मक प्रतिनिधित्व, हमें थोड़ी मदद करेंगे।

जैसा कि हम अब तक अच्छी तरह से जानते हैं, जब आपके पास एक शहर है जिसमें पानी का स्रोत है, तो आपको इसकी रक्षा करनी होगी। और इसलिए, इस विशेष झरने के आसपास जो पुरातत्व किया गया है, मैंने रोनी रीफ नाम का उल्लेख किया है; यहां उनके काम से पहले अन्य लोग भी रहे हैं, लेकिन मध्य कांस्य काल में उन्हें पता चला कि वहां टावरों का एक अभूतपूर्व समूह था। इन्हें यहां स्प्रिंग टावर्स कहा जाता है, और फिर, विचार यह है कि यह शहर की दीवार का ही पुनर्निर्माण है, और फिर शायद कुछ प्रकार के पैदल मार्ग हैं जो उन्हें स्प्रिंग के क्षेत्र में लाने के लिए खुद को सुरक्षित रखेंगे।

उस झरने के तालाब के चारों ओर जो मीनारें हैं उनकी आधारशिलाएँ विशाल हैं। ध्यान दें कि उस बिंदु पर, हम चट्टान से गुजरने के लिए किसी भी तरह की जगह या रास्ते के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। जब हमने जल स्रोत का उदाहरण देखा तो हमने सुरंगें देखीं। हमने आधारशिला के बीच से कुछ कटा हुआ देखा, और हम बाद में यरूशलेम में उस तक पहुंचने वाले हैं, लेकिन इस बिंदु पर, हमारे पास अभी तक मध्य कांस्य नहीं है।

और बस एक नोट, जब हम उन विशेष तिथियों के बारे में सोच रहे हैं, तो हम उन्हें हमारे कुलपिता इब्राहीम के साथ मेल खा सकते हैं, और हम उत्पत्ति 14 से याद रखेंगे कि इब्राहीम ने सेलम के राजा, मलिकिसिदक के साथ कुछ बातचीत की थी। तो फिर आइए अपना ऐतिहासिक ढाँचा प्राप्त करें। मलिकिसिदक का उल्लेख हमें इस संबंध में थोड़ी मदद करेगा, और यह केवल एक व्यापक ब्रश रूपरेखा है जिसका उद्देश्य यही है।

हम एक क्षण में इसके कुछ हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मेल्कीसेदेक, उत्पत्ति 14, चार और पांच राजाओं के बीच वास्तव में असामान्य टकराव के बारे में है, और इब्राहीम द्वारा एक मेढ़े की पेशकश करने के बाद वह अपने भतीजे लूत को बचाने के लिए उत्तर की ओर चला गया, वह वापस आता है, और सलेम के राजा का नाम मेल्कीसेदेक होता है, राजा धार्मिकता के बारे में, इब्रानियों का लेखक इन दोनों को अपनाने जा रहा है। वह परमप्रधान परमेश्वर का याजक है, और वह बाहर आएगा और इब्राहीम से मिलेगा और उसे आशीर्वाद देगा, और इब्राहीम उसे दशमांश देगा।

तो, उस विशेष मुठभेड़ में सभी प्रकार के अत्यंत महत्वपूर्ण पूर्वाभास और संदेह चल रहे हैं। डेविड, ठीक है, हमने पहले ही उसका उल्लेख किया है, लेकिन मलिकिसिदक संबंध के संदर्भ में याद करते हुए, कि भजन 110 कहता है कि आप मलिकिसिदक के आदेश के बाद हमेशा के लिए एक पुजारी हैं। यह भी, उत्पत्ति 14 में मेल्कीसेदेक के उल्लेखों के साथ, इब्रानियों पर उठाया गया है।

यीशु, दाऊद का पुत्र, यरूशलेम आया, और फिर हमारे पास है, और यह हमारी बड़ी रूपरेखा है, जकर्याह 14 इस तथ्य के बारे में बात करता है कि जब प्रभु लौटेंगे, तो वह जैतून के पहाड़ पर आने वाले हैं। उसके पैर जैतून के पहाड़ पर आएँगे। दिलचस्प बात यह है कि, सांस्कृतिक चीजों के संदर्भ में सिर्फ एक टिप्पणी, सदियों से यहूदी जैतून के पहाड़ पर दफन होना चाहते थे ताकि वे वास्तव में जैतून के पहाड़ पर प्रभु की वापसी की इस भविष्यवाणी का अनुभव कर सकें।

हम इसके बारे में और भी बताएंगे। खैर, अब ध्यान केंद्रित करते हैं क्योंकि हमने कहा था कि हम इसे पुराने नियम के इतिहास के संदर्भ में करने जा रहे हैं, उसके बाद नए नियम का। तो यहां मुख्य बिंदु हैं, और फिर कुछ पुरातात्विक चीजें हैं जो उनमें से कुछ को सूचित करती हैं।

सबसे पहले, उत्पत्ति 22 में पहले से ही इसका उल्लेख किया गया है क्योंकि इब्राहीम को प्रभु ने कहा है, अपने बेटे को ले जाओ, उसे मोरिया के क्षेत्र में ले जाओ, और जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, 2 इतिहास 3 इंगित करता है कि यह वह स्थान होगा जहां सुलैमान रहेगा मंदिर बनाओ. डेविड बात करता है, लेकिन वह बात नहीं करता; डेविड राजधानी को यरूशलेम ले जायेंगे। आपको यहूदा के क्षेत्र और विशेष रूप से हेब्रोन या हेब्रोन शहर के हमारे अध्ययन से याद होगा, दाऊद ने शाऊल की मृत्यु के बाद, केवल यहूदा के गोत्र पर, सात वर्षों तक शासन किया था।

हालात उथल-पुथल भरे हैं. डेविड वास्तव में दो दिलचस्प चीजें करते हैं। सबसे पहले, वह राजनीतिक एकता बनाता है क्योंकि आपको हमारा नक्शा शुरू से ही याद रहता है। यरूशलेम यहूदा और बिन्यामीन के बीच की सीमा पर है, और फिर भी इस समय यह बिन्यामीन शहर नहीं है, जिस पर यबूसियों का नियंत्रण है।

तो यरूशलेम एक ऐसा शहर बनने जा रहा है जिस पर डेविड कब्जा कर सकता है। वह इसे राजधानी बना सकता है, भले ही यह इस बिंदु तक तटस्थ क्षेत्र के बराबर रहा हो। यह बिन्यामीन के गोत्र में है, जो शाऊल का जनजातीय संबंध था।

इसलिए, यहां सभी प्रकार की दिलचस्प चीजें हो रही हैं क्योंकि वह जानबूझकर अपनी राजधानी को ऐसे स्थान पर ले जा रहा है जो शाऊल के अनुयायियों और यहूदा जनजाति के बीच अधिक राजनीतिक एकता को प्रभावित करेगा। वह अंततः सन्दूक भी वहाँ लाएगा। अब, यह अपने आप में महत्वपूर्ण है, लेकिन मैं शहर पर कब्जा करने के मामले में थोड़ा पीछे हटना चाहता हूँ क्योंकि 2 शमूएल 5 में जो कहा गया है वह यह है कि जब शहर गिर गया, तो निवासियों, शहर के यबूसी निवासियों ने महसूस किया कि आप जानते हैं, वे मूल रूप से काफी बचाव योग्य थे।

परन्तु यह कहता है कि दाऊद और योआब त्ज़िनोर नामक किसी चीज़ से होकर ऊपर जाते हैं। यह एक हिब्रू शब्द है जिसका प्रयोग बहुत बार नहीं किया जाता है, और इसका पाठ जलधारा के संबंध में भजनों में दिखाई देता है। और इसलिए इसने लोगों को यह सोचने के लिए प्रेरित किया है कि डेविड किसी तरह से पानी की उस पूरी प्रणाली से ऊपर चला गया है, शायद बड़ा पूल, शायद स्प्रिंग पूल, मुझे कहना चाहिए।

वॉरेन शाफ्ट नाम की कोई चीज़ होती है, और मैं बस यही कहूंगा, और जब हमारे पास अधिक समय होगा तो हम इसके बारे में अन्य संदर्भों में बात कर सकते हैं। लेकिन किसी भी दर पर, युद्ध और गोलाबारी संभवतः वह तरीका नहीं है जिससे वह और योआब आगे बढ़े। लेकिन डेविड के वहां पहुंचने तक भूमिगत जल मार्गों और प्रणालियों और सुरंगों और चैनलों का पूरा नेटवर्क, यह समझ में आता है कि यही वह तरीका था जिसका उपयोग वे चट्टान के माध्यम से खुदी हुई चीजों के माध्यम से आंतरिक रूप से शहर तक पहुंचने के लिए करते थे।

यह लगभग 10वीं सदी की बात होगी। कृपया इसे ध्यान में रखें क्योंकि इस समय हमारे पास हिजकिय्याह का शहर नहीं है। हमें यह भी पता चला है कि डेविड अपने महल के निर्माण में लगा हुआ था, इसलिए हम डेविड को यरूशलेम में इस एकजुट राजशाही के प्रारंभिक चरण को एक सफल राजा के रूप में देखने की उम्मीद करेंगे; हम कुछ प्रमुख निर्माण गतिविधियाँ देखने की उम्मीद करेंगे, और वास्तव में, हम ऐसा करते हैं।

जब हमने पुरातत्व के बारे में बात की तो हम पहले ही इसके बारे में थोड़ी बात कर चुके हैं। दाऊद ने मन्दिर की योजना बनाई। वास्तव में, जब आप 1 इतिहास का अंत पढ़ते हैं, तो दाऊद को प्रभु द्वारा मंदिर की योजना दी गई है, जिसे वह सुलैमान को सौंप देगा, जो वास्तव में एक महत्वपूर्ण संरचना, मंदिर का निर्माण और समर्पित करता है।

संयुक्त राजशाही से विभाजित राजशाही से लेकर उत्तरी साम्राज्य से लेकर दक्षिणी साम्राज्य से लेकर उत्तरी साम्राज्य तक अश्शूरियों के कब्जे में आने और असीरियन शासक सन्हेरीब की घेराबंदी के तहत हिजकिय्याह तक तेजी से आगे बढ़ते हुए, और हम उन अंशों में देखते हैं जिनका मैंने पहले संक्षेप में उल्लेख किया था, हमारे पास है 2 राजा 18 2 इतिहास 29 में समान हैं और यशायाह 22 में भी संदर्भित हैं, यदि आप उन तीन चीजों को एक साथ रखते हैं, तो पाठ ने हमारे लिए जो संरक्षित किया है उसके संदर्भ में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण समय है, अत्यंत महत्वपूर्ण समय है। यहां जो कुछ हो रहा है, उसका संदर्भ किंग्स क्रॉनिकल्स और यशायाह दोनों द्वारा दिया जा रहा है, इसका मतलब है कि कुछ उल्लेखनीय हो रहा है। हिजकिय्याह सन्हेरीब द्वारा घेरे में है।

वास्तव में, जैसा कि हम पढ़ते हैं, विशेष रूप से राजाओं और इतिहास की कहानियों में, यह ईश्वर ही होगा जो उसे बचाता है, लेकिन हिजकिय्याह हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा है। वह भी कड़ी मेहनत करने वाले हैं। वह सुरंग का निर्माण करता है, जैसे उसके आदमी सुरंग का निर्माण करते हैं।

हम उस शिलालेख पर लौटने जा रहे हैं जो बाइबिल के उन अंशों को एक क्षण में दर्ज और पुष्ट करता है। हमारे पास एक अनुच्छेद भी है जो कहता है कि प्रभु ने मूल रूप से हिजकिय्याह के शत्रुओं को बुलाया। सन्हेरीब की सेना को हटा दिया गया, और फिर प्रभु के दूत ने एक साथ मिलकर उनमें से 180,000 से अधिक लोगों को मौत के घाट उतार दिया, शायद यह किसी प्रकार का प्लेग था।

किसी भी दर पर, यह 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व का अंत है। दुखद बात यह है कि दक्षिणी साम्राज्य में गिरावट जारी है, और इसलिए हमारे पास यरूशलेम से लेकर नबूकदनेस्सर तक का पतन है, और यद्यपि पुराने नियम के इतिहास के संदर्भ में हमारे पास एज्रा नहेमायाह है, फिर भी हमारे पास हम अभी उन चीजों के लिए यहीं रुक रहे हैं जिन्हें हम वास्तव में देखना चाहते हैं। तो बस हमारे डेविड शहर के कुछ संकेत, खुद को याद दिलाते हुए कि हमारे पास यहीं 11 एकड़ की चीज़ है, और फिर उस पर थोड़ा सा आवरण डालकर हमें वहां मौजूद कुछ चीजों का एहसास दिलाएं, आप यहीं एक संकेतक देख सकते हैं कि यह हमारा महलनुमा क्षेत्र होगा।

हमारे पास हमारी बड़ी पत्थर की संरचना है, जो उस महलनुमा क्षेत्र को संभाले हुए है; यहां जो स्मारकीय इमारतें पाई गईं, वे संभवतः डेविड की महलनुमा संरचना हैं। इस क्षेत्र में यह सब ठीक है, और फिर हमारे पास यहां से थोड़ा नीचे गिहोन झरना भी है, और अंत में, इस क्षेत्र में नीचे की ओर किड्रोन घाटी वह स्थान बनने जा रही है, जहां हमारी केंद्रीय घाटी या टायरोपियन है घाटी, जिसमें पानी झरने से लेकर नीचे तालाब तक जाता था। उफ़, हम वहाँ जाते हैं।

मैंने उल्लेख किया कि उत्तरी शीर्ष के क्षेत्र में, इलियट मज़ार, जो यहीं हमारे मुख्य पुरातत्वविद् थे, इस सामग्री को संरक्षित करने के लिए शीर्ष पर रखे जाने से पहले खड़े थे, दोनों संरक्षित करते थे और देखने के लिए एक जगह देते थे, उस क्षेत्र में खड़े थे जहां यह था स्मारकीय संरचना पाई गई। मुझे पता है कि हमने इस पर पहले भी गौर किया है क्योंकि हमने बाइबिल के अतिसूक्ष्मवाद के संबंध में पुरातत्व के बारे में थोड़ी बात की थी, लेकिन यहां यह फिर से खुद को याद दिलाने के लिए है कि वहां एक प्रमुख संरचना के संदर्भ में निश्चित रूप से कुछ चल रहा था। हम हिजकिय्याह और उन्हें महसूस होने वाले खतरे के संबंध में जिस सामग्री के बारे में बात कर रहे थे, उस पर तेजी से आगे बढ़ें।

अब, इससे पहले कि हम वहां कुछ और रखें, मुझे यहीं पर रुकने दीजिए। इस समय, जैसा कि हम पहले ही कह चुके हैं, उत्तरी साम्राज्य अपनी अंतिम सांसों में था, और वास्तव में इस बिंदु पर उनका पतन हो जाएगा। जब वे ऐसा करते हैं, तो आपके पास उत्तर से कई लोग होते हैं जो यरूशलेम आते हैं।

अब तो उनका आना भी शुरू हो गया है। यदि आपने यह सामग्री पढ़ी है तो आपको याद होगा कि हिजकिय्याह ने, अपने सुधार के हिस्से के रूप में, उत्तर की ओर पत्र भेजे थे, और उसने कहा था, आओ और हमारे साथ फसह मनाओ। फसह वह त्योहार है जो मुक्ति और नवीकरण और पुनरुद्धार और पुनर्स्थापन का जश्न मनाता है।

और इसलिए आपके पास ऐसे लोगों का संयोजन है जो आए और फिर शरणार्थी भी। और क्या हुआ, जैसा कि हमने पहले कहा था जब हमने स्थलाकृतिक मानचित्र को देखा, तो क्या हुआ कि यरूशलेम तेजी से विकसित हो रहा था, और इसलिए उन्हें पश्चिमी पहाड़ी पर रहना पड़ा; जब हमने अपने पुरातत्व को देखा, बहुत पहले, हमने इसे देखा था।

यह एक दीवार है। यह एक दीवार के अवशेष हैं। यह यहूदी क्वार्टर में एक दीवार है, और यहूदी क्वार्टर पश्चिमी पहाड़ी पर है, पश्चिमी पहाड़ी के पूर्वी हिस्से की तरह।

और इस विशेष चित्र के बारे में वास्तव में दिलचस्प क्या है, और इस दीवार को ध्यान से देखने पर, यह दिखता है कि इस पर यहूदी क्वार्टर के बाकी हिस्सों का पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण कैसे किया गया है, लेकिन पुरातत्वविदों ने इसे हमारे देखने के लिए छोड़ दिया है। आप यहां मीटर स्टिक देख सकते हैं, जो इस बात का संकेत है कि वह दीवार उन लोगों की सुरक्षा के लिए कितनी ऊंची रही होगी जो यहां रह रहे थे। यशायाह 22 एक दिलचस्प मार्ग है क्योंकि यहां प्रभु यशायाह के माध्यम से बोलते हुए कहते हैं, क्षमा करें, आपने इस दीवार को बनाने के लिए दीवारों को तोड़ दिया, घरों को तोड़ दिया।

सुझाव: यदि हम प्रख्यात डोमेन के सिद्धांत के बारे में सोचते हैं, तो कभी-कभी, जब एक सार्वजनिक कार्य परियोजना से गुजरना होता है, तो आप निजी आवासों से छुटकारा पा लेते हैं, और आप उस सार्वजनिक कार्य को यहां स्थानांतरित कर देते हैं। यहां सार्वजनिक कार्य यह रक्षात्मक दीवार थी, और यशायाह वास्तव में इसका संदर्भ दे रहा है, और हालांकि इसे घास-फूस और उगने वाली चीजों के साथ देखना थोड़ा कठिन है, यहां बहुत छोटी संरचनाओं की तरह दिखने वाली नींव हैं, संभवतः दीवारें जो तोड़ दिया गया है। अब, यशायाह 22 के उस अंश के बारे में कहने के लिए और भी बहुत कुछ है, लेकिन हम इसे यहीं और अभी नहीं करेंगे।

यदि हम इसे इसके मानचित्र के संदर्भ में देखें और यह मानचित्र पर कैसे फिट बैठता है, तो हम यहां फिर से डेविड शहर हैं; बस इन आधुनिक, उद्धरण-अनउद्धरण, आधुनिक दीवारों को अनदेखा करें और पहचानें कि हिजकिय्याह के समय में, यह पूरी पश्चिमी पहाड़ी बसी हुई लगती है, है ना? और इसलिए, इसीलिए आपके पास एक ऐसी दीवार होगी जो उन सभी लोगों की सुरक्षा का ख्याल रखेगी। यह सिलोम के पूल की सुरक्षा के लिए भी इधर-उधर घूमने वाला है। यहाँ आप देख सकते हैं, यहाँ हमारा गिहोन फूट रहा है।

हम एक क्षण में सुरंग की एक तस्वीर से निपटने जा रहे हैं, लेकिन यह उस स्थान पर पानी लाएगा जो संरक्षित है, और यहां दीवार का हिस्सा है। आप इसे देख रहे हैं. वहाँ नहमान अविगाद हैं, जो इस उत्खनन परियोजना को करने के लिए सेवानिवृत्ति से बाहर आए क्योंकि यह समझना अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण था कि क्या हो रहा है, लेकिन इससे हमें जो हो रहा है उसके संदर्भ में थोड़ा सा एहसास मिलता है। मैं एक और बात कहना चाहता हूँ जो जलस्रोत से संबंधित है।

अपने बारे में सोचें, एक नया आया हुआ शरणार्थी। आप जी रहे हैं, ओह, आइए यहीं के बारे में ठीक से बताएं। यदि आपको पानी चाहिए, तो आपको जाना होगा, हिजकिय्याह की सुरंग के निर्माण से पहले, आपको इस घाटी में नीचे जाना था, वापस आना था, एक शाफ्ट में प्रवेश करना था, जो उस बिंदु पर आधारशिला के माध्यम से नीचे चला गया था।

यह डेविड के समय में था, और फिर अंततः, आप उस बड़े झरने वाले पूल के किसी भी हिस्से तक पहुंच सकते हैं और अपना पानी यहां से वापस घर तक ले जा सकते हैं। हिजकिय्याह की सुरंग इसका भी समाधान करती है क्योंकि यह यहीं पानी का स्रोत लेकर आएगी, इसलिए यहां

रहने वाली बड़ी आबादी को घर तक पानी लाने के लिए इतनी कठिन यात्रा नहीं करनी पड़ी। खैर, यहाँ वह अंश उसकी संपूर्णता में है।

तुमने देखा कि दाऊद के नगर की सुरक्षा में बहुत सी खामियां थीं। आपने निचले कुंड में, जिसे हम सिलोम का कुंड कहते हैं, पानी जमा कर दिया। तू ने यरूशलेम की इमारतें गिन लीं, और मकानों को ढा दिया।

जैसा कि मैंने कहा, जब पुरातत्वविद् इस पर काम कर रहे थे, तो उन्हें इस दीवार के आधार पर छोटी-छोटी नींव संरचनाएं मिलीं। आपने पुराने तालाब के पानी के लिए दो दीवारों के बीच एक जलाशय बनाया, लेकिन यहाँ श्लोक 11 है, जो आकर्षक है। आपने न तो उस पर ध्यान दिया जिसने इसे बनाया और न ही उस पर ध्यान दिया जिसने इसे बहुत पहले से योजना बनाई थी।

यहाँ दिलचस्प है, और मैं केवल यही कहूँगा, और आप इसे टिप्पणियों में या जो भी आप करना चाहें, खोज सकते हैं। उस अंतिम कविता में आप बहुवचन है, और इसलिए ऐसा लगता है कि यह राजा के रूप में हिजकिय्याह की निंदा नहीं है, बल्कि यह लोगों के निहितार्थ और उनकी अवज्ञा के संदर्भ में एक व्यापक बयान है। खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं।

नींव के संदर्भ में हमें वहां अपने सर्कल मिल गए हैं। यहाँ सुरंग का आंतरिक भाग है। फिर, प्रक्रिया की दृष्टि से यह आकर्षक है। यह लगभग एक तिहाई मील लंबा है। आपको उस कट-थ्रू आधारशिला के बारे में सोचने की ज़रूरत है।

यह 50 मीटर भूमिगत है। उनके पास निश्चित रूप से उस प्रकार के उपकरण नहीं थे जो अब हमारे पास हैं। आधा किलोमीटर, एक तिहाई मील, और यह पता चलता है कि हम बाइबिल के पाठ से नहीं बल्कि इस चीज़ से खोजते हैं जिसे सैलोम शिलालेख कहा जाता है।

मैं आपको थोड़ी देर में एक तस्वीर दिखाऊंगा। यह हमें बताता है कि जो लोग ऐसा कर रहे थे उन्होंने वास्तव में इस बारे में थोड़ा संकेत छोड़ा कि उन्होंने यह कैसे किया। उन्होंने प्रत्येक छोर पर शुरुआत की, शायद किसी प्रकार की प्राकृतिक कास्टिक संरचना का अनुसरण करते हुए, हालांकि लोग अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने यह कैसे किया, लेकिन उन्होंने तब तक काम किया जब तक कि वे एक-दूसरे को चिल्लाते हुए नहीं सुन सके।

यहाँ हमारा दूसरा इतिहास अंश है। यह हिजकिय्याह ही था जिसने गिहोन झरने के ऊपरी निकास को अवरुद्ध कर दिया और पानी को डेविड शहर के पश्चिम की ओर भेज दिया, और यहां सैलोम शिलालेख है, जो वही बताता है जो मैं अभी कुछ समय पहले कह रहा था। यह ओल्ड पेलियो-हिब्रू में है।

वास्तविक शिलालेख स्वयं इस्तांबुल के संग्रहालय में मौजूद है, इसलिए इसे संग्रहालय की कुछ चीज़ों की तरह देखना उतना आसान नहीं है, लेकिन यह उस बात को इंगित करता है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था और संक्षेप में बताया था। आइए दो और चीज़ें चुनें जो हिजकिय्याह से

संबंधित हालिया पुरातात्विक खोजों के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। मैंने कुछ समय पहले इलियट मज़ार नाम का उल्लेख किया है।

इस पुरातत्व को करने के मामले में वह एक प्रमुख हस्ती रही हैं, जो विशेष रूप से डेविड शहर के ऊपरी हिस्से से संबंधित है, और चूंकि वे कुछ गीली छंटाई कर रहे थे और कुछ सामग्री मिली है, यह एक और लंबा मुद्दा है जिसे हमने जीता है अंदर मत जाओ, उन्हें यह बहुत दिलचस्प सील छाप मिली। इसके लिए एक और शब्द है बुल्ला, बहुवचन बुल्ला, लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हम बस यह देखना चाहते हैं कि इस पर यहीं और नीचे एक शिलालेख है, जो हिजकिय्याह से संबंधित है। वहां कोई हिब्रू शब्द बेन नहीं है, जिसका अर्थ पुत्र होता है, लेकिन इसमें यहूदा के राजा आहाज का उल्लेख है।

तो, मैं आपको एक क्षण में एक हवाई तस्वीर दिखाऊंगा कि ये चीजें कहां पाई गईं और यह क्यों महत्वपूर्ण हो सकती हैं। हाल ही में, यह बाइबिल पुरातत्व समीक्षा के 2018 अंक में हुआ; उसने यह भी घोषणा की कि उसने यह शिलालेख एक बुल्ला या एक मुहर पर भी खोजा है। अब, यह पूर्ण नहीं है, ठीक है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे पास यशायाह है; इसमें आप दाएं से बाएं पढ़ते हैं, और नीचे की पंक्ति में पूरा शब्द पैगंबर नहीं है, और इसलिए हम निश्चित रूप से नहीं जानते हैं, यह आखिरी अक्षर गायब लगता है, लेकिन यह यशायाह पैगंबर हो सकता है, निश्चित नहीं है उसमें से, लेकिन वैसे भी यह उसका सुझाव है।

वैसे, वह नौसिखिया नहीं है; वह पुरातत्वविदों के परिवार से आती हैं, उनके दादा बेंजामिन मजार ने उस क्षेत्र में प्रमुख पुरातात्विक कार्य किया था जिसे हम इस व्याख्यान के अगले भाग में देखने जा रहे हैं। खैर, वह लाल तीर इंगित करता है कि ये कहाँ पाए गए थे। ध्यान दें कि यह ओफ़ेल है; हमने अब इसके बारे में बात की है, डेविड शहर का ऊपरी क्षेत्र, जो इस तस्वीर के बाईं ओर नीचे होगा, और यहां हमारे पास टेम्पल माउंट है।

इसलिए, वहां किया गया काम हमें यह संकेत देने वाला है कि यह संभवतः एक काफी महत्वपूर्ण, एक महलनुमा संरचना के करीब है, जो इस क्षेत्र में कहीं रहा होगा। सामान्य जीवन के संदर्भ में बस कुछ और बातें। ये, यह एरिया जी नामक क्षेत्र है, इसके बारे में कहने के लिए और भी बहुत कुछ है।

यह इन घरों में बनाया गया है जो कि बहुत अधिक विशाल संरचना में निर्मित हैं जिसे स्टेपस्टोन स्ट्रक्चर कहा जाता है, जो कि इसके शीर्ष पर जो कुछ भी बनाया गया होगा वह डेविड की महलनुमा संरचना हो सकती है। मुझे ऐसा महसूस हो रहा है जैसे मैंने पुराने नियम के यरूशलेम के संदर्भ में आपको बहुत धोखा दिया है क्योंकि कहने के लिए और भी बहुत कुछ है, लेकिन हमें आगे बढ़ने की जरूरत है और चलो ऐसा करते हैं। दूसरा मंदिर.

पहला मंदिर, सोलोमन का मंदिर, 587/586 में नष्ट कर दिया गया था। 70 साल बीत गए, और फिर आपने, विशेष रूप से हागै और जकर्याह के भविष्यसूचक मंत्रालयों से प्रेरित होकर, लोगों को अंततः व्यापार में उतार दिया और, उस समय के फ़ारसी राजा डेरियस के शासनकाल के दौरान, दूसरे मंदिर का निर्माण पूरा किया। अब, उन 70 वर्षों के पूरे इतिहास के बारे में कहने के

लिए बहुत कुछ है, लेकिन अपने उद्देश्यों के लिए, हम बस इसका एक सिंहावलोकन करने जा रहे हैं और फिर कुछ चीजों को देखेंगे जिन पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

एज्रा हमें इतिहास बताने जा रहा है। वह वनवास से वापसी के बारे में बात करते हैं। वह उसके लिए वहां नहीं था।

वह पहले पांच अध्यायों और छह अध्यायों में पूर्वव्यापीकरण कर रहा है। नहेमायाह के अधीन, हमने दीवारों का पुनर्निर्माण किया है। इसका मतलब यह नहीं है कि वे शुरू में थे, आप जानते हैं कि जब वे 539 में वापस आए, तो इससे पता चलता है कि नहेमायाह के दिन, 5वीं शताब्दी, 400 ईसा पूर्व में, उन्हें रक्षात्मक उद्देश्यों के लिए कुछ प्रमुख पुनर्गठन करने की आवश्यकता थी।

एक बार जब सिकंदर महान आया और उसके उत्तराधिकारियों ने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, और फिर से, यहूदी आबादी के लिए बहुत हंगामा हुआ, लेकिन हमारे पास यरूशलेम है, कुछ हद तक, एक ग्रीक हेलेनिस्टिक शहर बन गया है। हस्मोनियन वे लोग हैं जो मैकाबीस, जुडास मैकाबियस और उनके भाइयों के वंशज हैं, और यह लगभग 100 वर्षों के लिए एक यहूदी राजवंश होने जा रहा है, उनके लिए स्वतंत्रता का समय, उद्धरण-अनउद्धरण, और वे यरूशलेम का विस्तार करेंगे . इसका विस्तार वेस्टर्न हिल तक होगा, वहां भी बहुत सारी दिलचस्प चीजें हैं।

जब राजा हेरोदेस आता है, तो हम पहले ही हेरोदेस से मिल चुके हैं क्योंकि हमने हेरोडियन के बारे में बात की थी जब हमने उस स्मारकीय किले की संरचना के बारे में बात की थी जिसे उसने बेथलेहम के ठीक दक्षिण और पूर्व में अपने लिए बनाया था, लेकिन हेरोदेस साथ आने वाला है, और वह निर्माण करने जा रहा है सिर्फ ऑगस्टन शैली का मंदिर ही नहीं, बल्कि वह इस पूरे परिसर का अत्यधिक विस्तार करने जा रहा है। एक पुरातात्विक काल भी है जिसे हेरोडियन काल भी कहा जाता है, और निस्संदेह, इसका सब कुछ इस बात से है कि जब यीशु वहां थे तो यरूशलेम कैसा दिखता था। हम उसके साथ कुछ समय बिताएंगे।

रोमन उपस्थिति, लगातार शरीर में एक कांटा, शायद उससे भी अधिक, और यहूदी विद्रोह, रोमनों के खिलाफ पहला यहूदी विद्रोह, ईस्वी में शुरू हुआ, क्षमा करें, हाँ, ईस्वी 66। यरूशलेम स्वयं नष्ट हो जाएगा, मंदिर नष्ट कर दिया गया, जोसेफस हमें इसके बारे में 70 ई. में बताता है। तो यह हमारा दूसरा मंदिर काल है।

अब, आइए कुछ चीजों पर नजर डालें जो हमारे लिए शिक्षाप्रद हैं जब हम यहां चल रही सांस्कृतिक चीजों के बारे में सोचते हैं। जैसे ही आप किड्रोन घाटी को देखते हैं, मान लीजिए कि आप टेम्पल माउंट कोने पर खड़े हैं। हम थोड़ी देर बाद, दक्षिणपूर्वी कोने पर आने वाले हैं। किड्रोन घाटी में नीचे देखते हुए, आप सबसे पहले इसे देखेंगे, जिसके साथ अबशालोम का नाम जुड़ा हुआ है, यह एक कालभ्रम है, और फिर आप इसे देखने जा रहे हैं, यह संभवतः अगली चीज़ है जो आपकी नज़र में आती है, वह इसके साथ जकर्याह नाम जुड़ा हुआ है, और फिर आप बीच में इस प्रकार की स्तंभ संरचना देखेंगे।

यह वही है जिस पर एक शिलालेख है जो हाज़िर के पुत्रों बनी हाज़िर के बारे में बताता है। इनमें से प्रत्येक क्या है, इसके बारे में मैं ज्यादा देर तक नहीं बताऊंगा, लेकिन मैं बस यही कहूंगा। ध्यान दें कि यहां हमें, यहां तक कि इन तीन स्मारकों में भी, जो एक-दूसरे के काफी करीब हैं, कुछ ऐसा मिला है जिसमें थोड़ी सी पिरामिड संरचना वाले मिस्र की गंध आती है।

तो हमें कुछ मिस्र का प्रभाव मिला है। कुछ ऐसा जिसमें थोड़ी सी असीरियन और बाद के प्रभाव की बू आती है, मेसोपोटामिया के क्षेत्र से आ रहा है। फिर, ये स्तंभ और हमारे पास मौजूद स्तंभों के प्रकार, आयनिक राजधानियाँ, कुछ विचार लाते हैं जो ग्रीको-रोमन संस्कृति से आते हैं।

इस संगम में, इस क्षेत्र में, संस्कृतियों का संगम कितना आकर्षक है। मुझे कहना चाहिए कि मुझे यह तस्वीर पसंद है और मैंने इसे यहां रखा है, खासकर इसलिए क्योंकि इसमें से काफी कुछ साफ कर दिया गया है। आपको उतना समझ नहीं आता क्योंकि आपके पास किड्रोन घाटी से होकर जाने वाले कुछ लगभग पक्के रास्ते और कुछ अन्य चीजें हैं।

मैं इंटरटेस्टामेंटल अवधि के बारे में बस इतना ही कहता हूँ क्योंकि हम अब नए टेस्टामेंट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, जो हेरोडियन, विशेष रूप से हेरोडियन युग होने जा रहा है। तो पहली बात, और आप देख सकते हैं, मैंने इसकी एक प्रति कार्ल रासमुसेन के बाइबिल के एनआईवी एटलस से ली है। पहली बात जो हम फिर से नोट करते हैं वह यह है कि टेंपल माउंट इस बार भी हमारा केंद्रीय फोकस बना हुआ है।

लेकिन निःसंदेह, अब हम मंदिर के मंच और फिर उस मंदिर के बारे में बात करने जा रहे हैं जिसे हेरोदेस महान बड़े पैमाने पर संशोधित करने जा रहा है। हमारे पास ही, मुझे लगता है कि मुझे अपने सूचक की आवश्यकता नहीं है, हमारे पास एंटोनिया का किला नाम की कोई चीज़ है, जिसका नाम मार्क एंटनी के नाम पर रखा गया है। और किला महत्वपूर्ण है।

जैसा कि आप जानते हैं, जब आप सांस्कृतिक और धार्मिक और राजनीतिक रूप से सोचते हैं, जब भी आपके पास धार्मिक पूजा चल रही होती है, खासकर इस समय अवधि में, लेकिन दुनिया के कुछ हिस्सों में अभी भी, धर्म और राजनीति एक दूसरे के साथ बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। और जब भी आपके त्योहार होते हैं, तो आपके पास बहुत सारे लोग इकट्ठे होते हैं, बहुत सारे लोग इकट्ठे होते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, यहूदी तीर्थयात्रा पर आए थे।

और इसलिए रोमन लोग ध्यान से देखने में सक्षम होने के लिए एक उपस्थिति चाहते थे, और इसलिए एंटोनिया के किले में हमारी वह उपस्थिति थी। हमारे यहीं ऊपर पूल हैं। ये महत्वपूर्ण होंगे।

बेथेस्टा का पूल इस बेज़ेटा घाटी को सूखा रहा है। इस क्षेत्र में इजराइल का पूल भी। यदि आपकी स्थलाकृति ऐसी है कि यहां बरसने वाला पानी नीचे आता है, तो यह जलाशयों के लिए एक बेहतरीन जगह है।

वहाँ एक महायाजक परिसर भी है। यह यहूदी क्वार्टर में है, और यह उन जबरदस्त खोजों में से एक है जिसे पुरातत्वविदों ने 1967 के बाद, यहूदी क्वार्टर क्षेत्र में कुछ पुनर्निर्माण मूल्यांकन करने

में सक्षम होने के बाद पता लगाना और समझना शुरू कर दिया था। तो वहाँ एक महत्वपूर्ण परिसर है, जो समझ में आता है।

यदि आपके महायाजक इस क्षेत्र में रहते हैं, तो यह पश्चिमी पहाड़ी है। उनके पास एक तरह का पैदल मार्ग होगा, एक पुल जैसा होगा, और उन्हें टेम्पल माउंट के ठीक नीचे जाने की सुविधा होगी जहां उन्होंने अपना मंत्रालय किया था। शहर के पश्चिमी किनारे पर हेरोदेस का महल। एक विशाल महलनुमा संरचना।

इसके उत्तरी छोर पर तीन मीनारें हैं क्योंकि यरूशलेम हमेशा पश्चिम, दक्षिण और पूर्व में रक्षात्मक होता है लेकिन उत्तर से हमेशा थोड़ा अधिक असुरक्षित होता है। और इसलिए हेरोदेस के महल में वे तीन मीनारें रही होंगी। उनका एक आधार अभी भी स्पष्ट है।

जोसीफस हमें बताता है कि हेरोदेस अपने महल में लगभग 100 मेहमानों को ठहरा सकता था, जब वह उनके पास होता। हेरोदेस यरूशलेम--हेरोदेस महान के बारे में थोड़ा और।

जैसा कि मैंने कहा, हम हेरोदेस महान के पूरे स्थान पर पैरों के निशान देखने जा रहे हैं। हेरोदेस के परिवार के पास बहुत पैसा था। उन्होंने संभवतः इसे मसाला व्यापार बना लिया।

वह एक इडुमियन था। वह नेगेव का क्षेत्र है। और इसलिए यदि मसाले वहां जा रहे होते, तो परिवार ने वहां बहुत पैसा कमाया होता।

किसी भी कीमत पर, उसके पास खेलने के लिए हर तरह का पैसा है, लेकिन वह युद्ध नहीं कर सकता क्योंकि वह रोम का कठपुतली राजा है। तो, इसके बजाय, वह एक नाम बनाता है। और आप भी इसे उतना ही अच्छे से पढ़ सकते हैं जितना मैं पढ़ सकता हूँ।

कुछ ओलंपिक खेलों को प्रायोजित किया। शहरों में सामान बनाया। शहरों का निर्माण किया।

एथेंस और रोड्स में सभी प्रकार की मंदिर परियोजनाएँ बनाईं। सीरिया के अन्ताकिया शहर पर भी कुछ हेरोडियन प्रभाव था। और क्योंकि रोमन सीनेट द्वारा राजा बनाए जाने से पहले, उन्होंने रोम में कुछ समय बिताया था, वे ऑगस्टान संस्कृति से काफी प्रभावित थे।

ऑगस्टस, रोमन सम्राट. और इसलिए, जब वह बहुत सारे विचार वापस लेकर आए, तो उन्होंने इनमें से बहुत सी चीजों की संरचना करना चाहा, क्योंकि वे उच्च श्रेणी के ग्रीको-रोमन, विशेष रूप से ऑगस्टान संस्कृति का अनुसरण करते थे। ऐसा प्रतीत होता है कि जिस मंदिर परिसर का उन्होंने निर्माण कराया या निरीक्षण किया वह बिल्कुल विशाल था।

और जैसा कि मैंने पहले ही सुझाव दिया है, वह एक पैटर्न का अनुसरण कर रहा है, ऑगस्टान पैटर्न, शाही रोम। अब, इसे ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि, जैसा कि हम हेरोदेस के इरादे को देखते हैं, वह राजा था। उन्हें रोमन सीनेट द्वारा राजा बनाया गया था।

ऐसा प्रतीत होता है कि वह उस क्षेत्र को, जहां वह राजा था, एक प्रकार का सांस्कृतिक बैकवाटर मानता था। तो, आप जानते हैं, वह इसे बदलने जा रहा है। 20 ईसा पूर्व में मंदिर का जीर्णोद्धार शुरू हुआ

और आप देखेंगे कि जब जॉन अध्याय 2 में मंदिर के बारे में यह बातचीत होती है, जब जॉन रिकॉर्ड करता है कि यीशु ने अपना मंत्रालय शुरू करने से पहले मंदिर की सफाई की थी, तो यीशु के कुछ विरोधी जो चुनौती दे रहे थे, कहते हैं, ठीक है, आप जानते हैं, इसमें हमें बहुत समय लग गया है इस मंदिर पर काम करने का समय आ गया है। आप इसे तीन साल, तीन दिन में बहाल करने जा रहे हैं, क्षमा करें। तो हमें वहां थोड़ा सा कालानुक्रमिक संकेतक मिलता है।

यहां एक बात सोचने लायक है जब हम अपना रास्ता बना रहे हैं, न केवल यरूशलेम के थोड़ा और हिस्से से होकर, बल्कि जब हम देश के बाकी हिस्सों में अपना रास्ता बना रहे हैं, क्योंकि मैंने पहले ही सूचित कर दिया है और हमने देखा है हेरोडियन हेरोदेस महान ने हर जगह अपने पदचिह्न छोड़ दिए क्योंकि वह अपने लिए एक नाम बनाने, अपने लिए एक राज्य बनाने का इरादा रखता था। और इसलिए सवाल, और यह मेरा सवाल नहीं है, मैंने इसे अपने मास्टर प्रशिक्षक, जिम मोनसन से चुराया है, हम खुद से पूछते हैं जैसे हम इन चीजों के माध्यम से अपना काम करते हैं, जैसे हम धर्मग्रंथों के माध्यम से अपना काम करते हैं और जैसे हम अपने तरीके से काम करते हैं जीवन, हम किसका राज्य बना रहे हैं? खैर, यहां बस कुछ छोटे टुकड़े हैं, मजेदार चीजें। जैसे-जैसे हेरोदेस के इंजीनियर विस्तार कर रहे थे, वास्तव में टेम्पल माउंट का विस्तार कर रहे थे, उन्हें मूल स्थलाकृति से निपटना पड़ा।

तो, मैं बस एक पल के लिए बोर्ड पर माउंट मोरिया का चित्र बनाने जा रहा हूँ। यह संदेहास्पद रूप से उस चित्र जैसा दिखता है जो मैंने उस दिन बनाया था जब मैं तलछटी सामग्री के स्तर के बारे में बात कर रहा था, लेकिन यह मोरिया नहीं है, है ना? यह सिर्फ एक पर्वत शिखर है. मान लीजिए कि यहां एक तरफ घाटी है; मान लीजिए कि यह किड्रोन घाटी है, तो पूर्व यहाँ पर है।

आप उस पर एक बड़ा मंदिर मंच कैसे बनाते हैं? यह थोड़ा कठिन है, लेकिन हेरोदेस के इंजीनियरों के लिए बहुत कठिन नहीं है। वे इसे बनाने जा रहे हैं इसलिए यह एक बड़ी, सपाट संरचना है। अब, ऐसा करने के लिए, इसे बहुत सरल बनाया गया है, लेकिन आपको यह समझ में आ रहा है कि आपके पास कुछ ऐसा होना चाहिए जो एक विशाल मंदिर का निर्माण करेगा।

यह प्लेटफॉर्म आकार के मामले में चार फुटबॉल मैदानों के बराबर होने जा रहा है। ऐसा करने के लिए, उन्होंने चूना पत्थर के विशाल, विशाल स्लैबों को इकट्ठा किया है, उन्हें शहर के उत्तर और पश्चिम में खोदा है, प्लेटफॉर्म पर्वत के उत्तर-पश्चिमी कोने पर मौजूद कुछ चूना पत्थर को हटा दिया है, और यह सब ले आए हैं यहां ताकि वे ऐसी दीवारें बना सकें जो मंच को पकड़ सकें और भर भी सकें। उन्होंने उस चबूतरे के कुछ हिस्से को बनाए रखने के लिए मेहराब भी लगाए।

लेकिन मैं तुम्हें यह सब क्यों बता रहा हूँ? खैर, यह हमें इन लोगों की इंजीनियरिंग क्षमता के संदर्भ में एक मजेदार एहसास देता है। क्योंकि जो सबसे बड़ा पत्थर उन्हें मिला है वह यहां से उस व्यक्ति के पास या यहां से लेकर वहां तक है। यह 40 फीट लंबा है।

तस्वीरों से भी आप शायद ही इसका अंदाजा लगा सकें, लेकिन 40 फीट लंबे पत्थर के बारे में सोचें। इसे ऐसे समझें कि, यह काफी ऊंचा है। यह हमारा मास्टर कोर स्टोन है जो यहां से फोटोग्राफ तक, यहां से ऊपर तक और यहीं तक जा रहा है।

अनुमान है कि इसका वजन 500 से 600 टन के बीच है। और फिर हम अपने आप से पूछते हैं, ठीक है, तो उन्होंने इसे कैसे आगे बढ़ाया? खैर, यह निश्चित रूप से एक इंजीनियरिंग उत्कृष्ट कृति थी। लेकिन यह पूरी रिटेनिंग दीवार पत्थरों से बनाई गई है, एक के ऊपर एक, सड़क के स्तर तक पहुंचने के लिए।

अब, यह हमें टेंपल माउंट पर वापस लाता है, जहां हम अभी थे। इसे हस्मोनियन सुरंगें कहा जाता है, जो साथ-साथ चलती हैं। और हम मौजूदा ज़मीनी स्तर से नीचे, ठीक यहीं पर थे।

पत्थर का मास्टर कोर्स वहां रखा गया होगा, और फिर ये सभी चीजें शीर्ष पर होंगी। लड़के, इसके बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन हमें आगे बढ़ने की जरूरत है। यहां हम पश्चिम से मंदिर के चबूतरे तक ही देख रहे हैं।

यह एक मॉडल पर है, पहली शताब्दी ईस्वी में यरूशलेम का एक मॉडल, जिसे पवित्र भूमि मॉडल कहा जाता है, यरूशलेम के खेदजनक मॉडल का एक मॉडल है। एक समय यह होली लैंड होटल नहीं था; अब यह इज़राइल संग्रहालय में है। लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हम एंटोनिया के किले को देखते हैं।

हम वहां वह देख रहे हैं जिसे सोलोमन का पोर्टिको कहा जाता है जिसका उल्लेख जॉन अध्याय 10 में मिलता है। हम रॉयल स्टोआ देख रहे हैं। और यहाँ, ठीक बीच में, हम मंदिर की संरचना को ही देख रहे हैं।

अब, उन्हें कैसे पता चला कि यह वैसा दिखता था? खैर, दिलचस्प बात यह है कि हेब्रोन में एक संरचना है जो अभी भी खड़ी है और कुछ-कुछ इस तरह दिखती है। इससे भी अधिक, यह तल्मूड का अध्ययन करने वाले साहित्यिक छात्रों के बीच एक महान सहयोग था, जिसमें माप नामक एक भाग है जो मंदिर और मंदिर संरचना के बारे में बात करता है। वहाँ कहने के लिए और भी बहुत कुछ है।

लेकिन उन्होंने पुरातात्विक खोजों और साहित्यिक सहायता पर सहयोग किया और फिर इसका पुनर्निर्माण और पुनर्निर्माण करने में सक्षम हुए। यहां, हम इसे इस प्लेटफॉर्म के दक्षिण-पश्चिम कोने से देख रहे हैं। वैसे, यह सब बना हुआ है।

पुनः, वह मास्टर कोर्स जिसे हमने देखा था वह अभी यहीं, नीचे, बहुत अधिक भूमिगत है। जब पेरी और मैं पहली बार यरूशलेम में थे, तो हम वहां के बारे में देखने में सक्षम थे। यह वह जगह है जहाँ हम चल रहे थे।

हम एक मेहराब को देख सकते हैं, और कुछ ही देर में हमें उसकी एक तस्वीर दिखाई देगी जिसे रॉबिन्सन आर्क कहा जाता है। लेकिन यह सब, इस पुनर्निर्माण में, और वास्तव में, अभी भी भूमिगत था। यह सब कवर किया गया था।

उसका भी पर्दाफाश हो गया है। यहाँ फिर से एंटोनिया का हमारा किला है, और यहाँ हमारी टायरोपियन या सेंट्रल वैली आएगी। यहां एक कलाकार का चित्रण है कि दक्षिण-पश्चिम कोना कैसा दिखता होगा।

तो अब हम वहां कुछ लोगों के साथ थोड़ा और अधिक व्यवस्थित ढंग से व्यवहार करते हुए देखते हैं। लेकिन आपके पास ऊपर जाने के लिए एक विशाल सीढ़ियां हैं जो मंदिर के प्रवेश द्वारों में से एक है। आपके पास सीढ़ियों का एक और सेट है।

हमने उन्हें पिछले पुनर्निर्माण में देखा था जहाँ आप अंदर जा सकते थे और उन दरवाजों से बाहर आ सकते थे और मंदिर के मंच पर पहुँच सकते थे। यहाँ ऊपर, हमारे पास वह स्थान है जो संभवतः मंदिर का शिखर था। और ध्यान दें कि वह कितना ऊंचा रहा होगा।

यदि आप एक प्रलोभन कथा के बारे में सोचें, तो जंगल में प्रलोभन देने के बाद, जब शैतान यीशु को ले जाता है, तो वह यीशु को मंदिर के शिखर पर ले जाता है और कहता है, अपने आप को दूर कर लो। खैर, यहां चमत्कारी शक्ति का सार्वजनिक प्रदर्शन करना एक अविश्वसनीय प्रलोभन रहा होगा। जैसे ही हम मंदिर के चबूतरे के आसपास के इस पूरे क्षेत्र को देखते हैं, विशेष रूप से यहां, सभी प्रकार की दुकानों आदि को, हम देखते हैं कि यह वह जगह है जहां इस मंदिर क्षेत्र के बाहर खरीद और बिक्री होनी चाहिए थी।

इसके बजाय, जैसा कि हम इन आख्यानो को पढ़ते हैं, यीशु द्वारा अपना मंत्रालय शुरू करने से पहले जॉन अध्याय 2 के संदर्भ में और फिर अपने मंत्रालय के अंत में संक्षिप्त सुसमाचार में, यीशु इसे फिर से करेगा। खरीद-बिक्री ने अतिक्रमण कर लिया था, और मुद्रा परिवर्तन ने मंदिर के चबूतरे तक ही अतिक्रमण कर लिया था। जब यीशु मंदिर को साफ कर रहे थे, तो हमें याद होगा कि उन्होंने यशायाह 56 को उद्धृत किया और कहा, मेरा घर सभी राष्ट्रों के लिए प्रार्थना का घर कहा जाएगा, जिसका अर्थ है कि एक बिंदु तक अन्यजातियों का वहां आने के लिए स्वागत है।

यदि आप इस छोटी सी चीज़ को देखें, तो इसे हिब्रू में सोरेग, बाड़, बाधा कहा जाता है। उनमें से कुछ पर एक शिलालेख पाया गया है। मूल रूप से, मैं संक्षेप में कहता हूँ, यदि आप गैर-यहूदी हैं, तो मृत्यु के डर से इस बिंदु से आगे आने का साहस न करें।

तो हम जानते हैं कि वहाँ ऐसी सीमाएँ थीं जिनके पार अन्यजाति नहीं आ सकते थे। लेकिन बाहर, फिर से, लगभग चार फुटबॉल मैदानों के बारे में सोचें। उनका वहां स्वागत किया गया।

निस्संदेह, सभी राष्ट्रों के लिए प्रार्थना का घर; यीशु यिर्मयाह को उद्धृत करते हुए कहते हैं, सात, तू ने इसे लुटेरों का गढ़ बना दिया है। दूसरे शब्दों में, चोर जो गुफाओं में छिपते हैं, पैसे चुराते हैं। इन लोगों की तुलना इसी से की गई थी।

यह यहाँ की स्त्रियों का दरबार है, अन्यजातियों का दरबार है, क्षमा करें, क्षमा करें, इस्राएलियों का दरबार है। और फिर पुजारियों का दरबार, वैसे, एक ऑगस्टान मंदिर में। और यही वह पैटर्न है जिसे हैरी लाया था।

महिलाओं के लिए एक अलग अदालत थी और उन्हें एक निश्चित सीमा से आगे जाने की अनुमति नहीं थी। यह सुलैमान के मंदिर, पहले मंदिर, के बारे में सच नहीं था। खैर, यहां विदेशियों को दी गई उन चेतावनियों की थोड़ी और व्याख्या दी गई है।

दो खंडित प्रतियाँ। अन्यजातियों को चेतावनी देते हुए, उन्हें आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई। यहाँ उद्धरण है, कोई भी विदेशी अभयारण्य के चारों ओर बालस्ट्रेड और तटबंध के भीतर प्रवेश नहीं कर सकता है।

जो भी पकड़ा जाएगा वह अपनी मृत्यु के लिए स्वयं ही दोषी होगा, जो उसके बाद होगी। और हमने इसका उल्लेख पहले ही नियमित अंतराल पर पोस्ट कर दिया है। उन्हें उनकी चेतावनी मिल गई.

यहां हमारी पहली सेंचुरी स्ट्रीट है क्योंकि अभी इसकी खुदाई की गई है। इस बारे में ध्यान देने योग्य कुछ बातें। एक तोरणद्वार के उस छोटे से हिस्से पर ध्यान दें।

इसे एडवर्ड रॉबिन्सन के नाम पर रॉबिन्सन आर्क कहा जाता है, जो एक निडर खोजकर्ता थे। जब हमने स्थलाकृति के बारे में बात की तो हमने उसके बारे में बात की। लेकिन बस अपनी कल्पना का प्रयोग करें क्योंकि वह बस कुछ ऐसी चीज़ को पकड़ना है जो इस तरह से हो सकती थी।

और उसके शीर्ष पर एक सीढ़ी होती जो ऊपर जाती और फिर एक द्वार के माध्यम से मंदिर की संरचना में और मंदिर के चबूतरे में चली जाती। जब रॉबिन्सन पहली बार वहां पहुंचे, तो जमीनी स्तर इतना ऊपर था। जब हम 1970 के दशक में पहली बार वहां थे, तो हम इस स्तर पर खड़े हो सकते थे।

अब उन्होंने इसकी खुदाई पहली सदी की सड़क के स्तर तक कर ली है। उन्हें यह कैसे पता चला? क्योंकि ये सभी गिरे हुए ब्लॉक उस संरचना का हिस्सा थे जिसे रोमनों ने ध्वस्त कर दिया था या कम से कम ऐसा करने की कोशिश की थी। वे बहुत सफल या पूरी तरह से सफल नहीं थे, लेकिन उन्होंने इसे ध्वस्त करने की कोशिश की और इन ब्लॉकों को सड़क पर गिरा दिया, जो उनके वजन के कारण कुछ बिंदुओं पर धंस गए।

खैर, इसके बारे में और भी बहुत कुछ कहना है, लेकिन हमें इस संदर्भ में यीशु द्वारा किए जाने वाले दो और चमत्कारों की ओर बढ़ते रहना होगा। सबसे पहले हमने यहां बात की एंटोनिया के किले की। यहां हमारा मंदिर, रॉयल स्टोआ, सोलोमन का बरामदा है।

बस एक अनुस्मारक, टेम्पल माउंट क्षेत्र में कोई भी अप्रिय गतिविधि होने पर, आपके पास तुरंत सैनिक होंगे। आप इसे अधिनियमों की पुस्तक में देखते हैं, वैसे, जब पॉल टेम्पल माउंट में होता है तो चीजें भड़क उठती हैं। हे भगवन्, सैनिक वहाँ बहुत तेजी से मौजूद हैं।

लेकिन ध्यान दें कि वे एक रहने वाले क्वार्टर में भी हैं जो पूल के एक सेट के करीब है। पूल का एक सेट. जब पुरातत्वविदों ने इन पूलों पर काम किया है, वैसे, यह अभी भी वही मॉडल है जो मैं आपको पहले दिखा रहा था, इसलिए यहां पुनर्निर्माण किया गया है।

जब पुरातत्वविदों ने इन पूलों पर कुछ काम किया, तो उन्हें कुछ बहुत ही दिलचस्प चीजें मिलीं, और वह यह कि वहां ऐसी कलाकृतियां थीं जो एस्क्लेपियस के पंथ की उपस्थिति का संकेत देती थीं। एस्क्लेपियस, उपचार के देवता और संपूर्ण ग्रीको-रोमन परिदृश्य, और इसलिए ऐसा लगता है कि यहां तैनात हमारे रोमन सैनिक एक तरह से अपना स्वयं का सामान साथ लाए थे। यह स्थान तब उपचार के स्थान के रूप में जाना जाता था, और हमारे पास लकवाग्रस्त लोग हैं।

प्रतीकात्मक रूप से, 38 वर्षों से, वह उस पूल में उतरने का इंतज़ार कर रहा है और नहीं कर पाया है। यीशु उसे ठीक कर देंगे. पुरातत्व के बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है और अब जब आप वहां जाते हैं तो आप क्या देखते हैं और क्या नहीं देखते हैं, लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, मैं केवल इसका उल्लेख करना चाहता हूं क्योंकि लंगड़े को ठीक करना कुछ ऐसा है जिसका उल्लेख यशायाह 45 में एक संकेत के रूप में किया गया है कि हम ' आप एक मसीहाई युग के बारे में बात कर रहे हैं।

उस पर टिके रहो. आप यहाँ जो खंडहर देख रहे हैं वे बीजान्टिन हैं। बीजान्टिन काल मूल रूप से हमारी चौथी से सातवीं शताब्दी, यदि आप चाहें तो साढ़े छह शताब्दी का होने जा रहा है, और आप जानते हैं कि जब आप यहां सभी चीजों को देखते हैं तो यह वास्तव में एक गड़बड़ है, और हमें निश्चित रूप से ऐसी चीजें नहीं मिलती हैं जो इससे पहले की हों। अब पहली सदी.

जब पुरातत्व का काम पूरा हो गया था, और मैंने आपको वहां की तारीख बता दी है, तो दावा किया गया था कि पुरातत्वविदों को पांच पोर्टिको के बराबर मिला था। अब यह महत्वपूर्ण है क्योंकि जॉन में यह एक पूल के बारे में बात करता है जिसमें पांच पोर्टिको हैं। पोर्टिको क्या है? यह एक ढका हुआ क्षेत्र है, इसलिए मूल रूप से आपके पास कुछ ऐसा होगा जिसमें एक फैशन के बाद एक छत होगी, और फिर बस उस छत को ऊपर रखने वाले स्तंभ होंगे, और यह गर्म मौसम के दौरान धूप से बचाने के लिए यहां खुला रहेगा। बरसात के मौसम में बारिश से बचाव होता है, इसलिए पोर्टिको इसी तरह काम करता है।

पांच दिलचस्प हैं क्योंकि पुरातत्व के संदर्भ में हमारे पास जो कुछ है, अगर हम इसे ठीक से समझते हैं या अगर हम कम से कम यह भी समझते हैं कि साहित्यिक स्रोत हमारी मदद कैसे करते हैं, तो अंतर-विधान काल में हमारे पास एक पूल है जो बनाया गया है। तो, आइए इन दो बहुत ही प्रारंभिक आरेखों से छुटकारा पाएं और अब हमारा पूल बनाएं। यहाँ पहला पूल है.

इसकी चार भुजाएँ हैं, और इसलिए चार पोर्टिको, चार ढके हुए क्षेत्र हैं जहाँ धूप होने पर कोई व्यक्ति छाया में लेटा जा सकता है। बाद में पूल का विस्तार किया गया है, और इसलिए यह इस तरह से बाहर आने वाला है, और वहां पोर्टिको होगा। तो अब आपके पास एक, दो, तीन, चार

और पांच हैं, जो कम से कम पांच पोर्टिको के विचार को संरक्षित करने के मामले में वास्तव में बहुत दिलचस्प है क्योंकि हम जानते हैं कि पूल में ही कुछ अतिरिक्त किया गया था।

ऐसी सभी प्रकार की चीजें हैं जो लोग प्रतीकात्मक रूप से पांच के साथ भी करते हैं, लेकिन हम इस बिंदु पर उस मार्ग पर नहीं जा रहे हैं। हम उस विशेष उपचार चमत्कार को लेना चाहते हैं, याद रखें कि इसका संबंध थुलेन से है, और अब मैं जॉन अध्याय 9 में जाना चाहता हूँ जहाँ किसी को ठीक भी किया गया है। आइए स्थलाकृति और दूरी जैसी चीजों का अंदाज़ा लगाएं।

यहाँ टेम्पल माउंट है. हम जानते हैं कि जॉन 7 और 8 में यीशु टेम्पल माउंट पर शिक्षा दे रहे हैं, इसलिए हम शायद अनुमान लगा सकते हैं कि जॉन 9 उस मूल क्षेत्र में घटित होने वाला है। वहाँ सिलोम का पूल है, और ध्यान रखें कि हमें यहाँ गिहोन झरना मिला है, ऐसा लगता है कि गिहोन झरने का बहुत अधिक संकेत नहीं है और हिजकिय्याह की सुरंग का कोई संदर्भ नहीं है। अब लोग उस क्षेत्र में नीचे सिलोम के तालाब के विषय में चर्चा कर रहे हैं।

लगभग आधा मील की दूरी, यहाँ से वहाँ तक लगभग 300 फीट की ऊँचाई या इसके विपरीत, और इसलिए उस अंधे आदमी को, जिसका यीशु से सामना हुआ था, सिलोम के तालाब तक चलने के लिए कहा जाएगा। अब, लगभग 2004 तक, लोग हिजकिय्याह की सुरंग से गुज़रने के बाद दौरा कर रहे थे। बीजान्टिन चर्च से जुड़े एक छोटे से पूल में बाहर आना एक शानदार अनुभव था, और इसे हम सिलोम का पूल कहते थे। दिलचस्प बात यह है कि जब हिजकिय्याह की नगर पालिका कुछ सीवर का काम कर रही थी, तो उन्हें एक और पूल मिला, जो स्पष्ट रूप से पहली शताब्दी का है।

इन सबके नीचे एक पूल था, जो ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च के स्वामित्व वाला एक बाग था। मैंने कुछ समय पहले रोनेनरिच नाम का उल्लेख किया था। उन्होंने इस क्षेत्र में बहुत काम किया, और ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च के साथ कुछ बातचीत हुई, जैसा कि मैं इसे समझता हूँ, यहाँ तक कि इतनी खुदाई करने में सक्षम होने के लिए, और निश्चित रूप से, वे इसे नष्ट नहीं करने वाले थे बाग के बाकी हिस्से, लेकिन आपको इसके आकार, संरचना और सुंदर डिजाइन के संदर्भ में अच्छी समझ मिल जाएगी।

यह तब पानी के लिए पात्र होगा जो इसके माध्यम से आया होगा, शायद पहली शताब्दी तक पहुंचने तक रिस रहा होगा क्योंकि ऐसा लगता है कि हिजकिय्याह की सुरंग तलछट के साथ अवरुद्ध हो गई है, आदि, लेकिन हमारे पास अभी भी पूल में रिसाव था यहाँ सिलोम का। अब, मैंने नई खोज की है, उद्धरण चिह्नों में, क्योंकि दिलचस्प बात यह है कि, जब आप यरूशलेम के पुराने मानचित्रों को देखते हैं, तो आप शायद उसे नहीं पढ़ सकते हैं, लेकिन 1940 के दशक के मानचित्र पर उस सुंदर छोटे पीले घेरे के अंदर, ब्रिटिश जनादेश मानचित्र, हम एक चीज़ देखते हैं जिस पर लिखा है ओल्ड पूल।

भले ही यह बाग के नीचे था, पूरी तरह से बाग के नीचे, एक परंपरा थी जिसे संरक्षित किया जा रहा था, ठीक है, पुराने मानचित्रों के आधार पर कि हमारे पास एक पुराना पूल है जो वहाँ स्थित है, और जैसा कि आप सदियों से यात्रियों की रिपोर्टों के माध्यम से पढ़ते हैं, निवासी 'रिपोर्टों के

अनुसार, वहाँ एक पुराना पूल है, और शायद उस क्षेत्र में पुराने पूलों का एक क्रम भी है। तो, स्पष्ट रूप से, जब पुरातत्वविदों को 2004 और उसके बाद यह काम करना पड़ा, तब तक कुछ ऐसा था जो पहली शताब्दी का था। खैर, अब, उससे जुड़ी कुछ अन्य बातें क्योंकि तब वह जल स्रोत था जो मंदिर संचालन के लिहाज से महत्वपूर्ण था।

मिश्रा एक यहूदी दस्तावेज़ है जो पुरानी परंपराओं को संरक्षित करते हुए लिखा गया है। रब्बी यहूदा राजकुमार 220 ई.पू. में यहां एक प्रमुख व्यक्ति थे, और मिश्रा द्वारा किए जाने वाले कई कामों में से एक उन चीजों की पुरानी परंपराओं को संरक्षित करना है जो तब हुई थीं जब मंदिर अभी भी खड़ा था। यदि आप चाहें तो सुक्का एक तम्बू, या बूथ है, और इसलिए यह झोपड़ियों के पर्व के दौरान क्या हुआ उसके बारे में बात कर रहा है।

वह महत्वपूर्ण क्यों है? खैर, दिलचस्प बात यह है कि, जॉन अध्याय 7 होने के नाते, हमारे पास झोपड़ियों के पर्व पर यरूशलेम में यीशु हैं, लेकिन यहां वही है जो मैं देखना चाहता हूं। मैं आपके लिए पढ़ने जा रहा हूं और फिर उस तस्वीर के बारे में बात करूंगा। जल-तर्पण, दूसरे शब्दों में, आपके पास कुछ पानी होना चाहिए जो कि अनुष्ठानिक रूप से डाला जाएगा।

जल-तर्पण, सात दिन, इसकी रीति क्या थी? वे एक बर्तन में एक निश्चित मात्रा में पानी, तीन रोटियाँ, सिलोम के पानी से भरते थे। जब वे जल द्वार पर पहुँचे, तो उन्होंने शोफर पर फूंक मार दी, जिससे उसका कुछ भाग छूट गया। पुजारी वेदी के पास गया और दाहिनी ओर मुड़ गया, जहां दो और चांदी के कटोरे थे, और यह पूरी चीज झोपड़ियों के पर्व पर अद्भुत अनुष्ठान का हिस्सा थी।

झोपड़ियों के पर्व पर, वैसे, कुछ चीजें ऐसी भी होती हैं जिनका संबंध आंगन में रोशनी से होता है। क्या यह आकर्षक नहीं है कि यीशु, जब झोपड़ियों के पर्व पर यरूशलेम में थे, पानी, वह है, और दुनिया की रोशनी और प्रकाश दोनों के बारे में बात करने जा रहे हैं? किसी भी दर पर, दिलचस्प बात यह है कि सिलोम के पूल से, हमने अभी-अभी इसका खोदा हुआ हिस्सा देखा है।

टेम्पल माउंट तक का पूरा रास्ता उस मध्य या टायरोपियन घाटी के ठीक ऊपर एक बहुत ही महत्वपूर्ण पैदल मार्ग था। पिछले वर्ष में, लोगों को पता था कि यह वहां था, पिछले वर्ष में, उन्होंने इसे अब खोला है, पिछले वर्ष के दिसंबर में वहां हुआ था, लेकिन अब आप इस पहली सदी के फुटपाथ पर चल सकते हैं। इस बिंदु पर यह भूमिगत है, जाहिर है, यहां आपको कुछ पाइप वगैरह दिखाई देते हैं, और फिर, यह अभी हाल ही में खोला गया है।

आप इस पूरी चीज़ तक पैदल चल सकते हैं जो पहली शताब्दी में वहाँ रही होगी और इन महत्वपूर्ण सीढ़ियों पर टैकिंग कर सकते हैं। यहां आगे एक मंच है जिस पर घोषणाएं या कुछ भी किया जा सकता था, और आपको यह अच्छी तरह से पता चल जाएगा कि पहली सदी के निवासियों ने सिलोम के पूल से टेम्पल माउंट तक और वापस आने के लिए अपना रास्ता कैसे बनाया होगा। और इसलिए, हमारा आदमी, जो ठीक होने वाला था, टेम्पल माउंट से सिलोम के कुंड तक कैसे चला गया।

वैसे, उस अंतिम कथा के संबंध में दिलचस्प बात यह है, और फिर हम सोलोमन के कोलोनेड की ओर बढ़ेंगे। मैंने यशायाह 45 का उल्लेख किया। मैंने यशायाह 45 का उल्लेख लंगड़े के चलने के संदर्भ में किया, लेकिन इसका दूसरा भाग कहता है कि अंधा देखेगा, और यहां हमने जॉन को जॉन 5 और फिर जॉन 10 में रिकॉर्ड किया है, ये दो चमत्कार हैं मसीहा की उपस्थिति के बारे में बहुत कुछ बोला।

जॉन 5, जॉन 9। जॉन 10 की ओर बढ़ते हुए, यहां एक त्वरित नोट है जिसका मैंने पहले उल्लेख किया था: सोलोमन का कोलोनेड यहीं होता। फिर, यह एक मॉडल है जो बाहर बैठा है, वहां की पृष्ठभूमि में पेड़ों से विचलित न हों। अब तक, आप अपने सामने दिखने वाली बहुत सी चीजों को पहचान सकते हैं।

हेरोदेस का महल, नोटिस, एंटोनिया का किला, मंदिर, और अब पश्चिमी तरफ हेरोदेस का महल। यरूशलेम बड़ा नहीं था। हमें उस समय इसे ध्यान में रखना होगा।

खैर, यीशु के जीवन के अंतिम घंटों में संक्षेप में टहलने से, हम जानते हैं कि वह अंतिम भोज कक्ष, चाहे वह कहीं भी था, छोड़ कर जैतून के पहाड़ पर चले गए। ये बहुत पुराने जैतून के पेड़ हैं। वे यीशु के समय के नहीं हैं, लेकिन वे वास्तव में पुराने हैं क्योंकि गेथसमेन शब्द, गेथसमेन नाम का अर्थ तेल निकालने का कोल्हू है।

जैतून का पहाड़ एक कार्यस्थल था, और यीशु प्रार्थना करने के लिए वहाँ जा रहे थे। अब आपके पास यीशु के जीवन के उन आखिरी घंटों की घटनाओं की याद दिलाने वाले कई चर्च हैं, और फिर हमारे पास पवित्र सेपुलचर का चर्च है, जिसे शायद पुनरुत्थान के चर्च के रूप में बेहतर समझा जाता है, दफन किया गया है, हाँ, लेकिन पुनर्जीवित किया गया है। ये दो गुंबद हमेशा यह संकेत देते हैं, और यहां नीचे, हमारे पास एक आंगन में एक पुजारी चल रहा है।

और भी बहुत कुछ कहना है। हम पवित्र सेपुलचर चर्च के अंदर और उसके अंदर क्या है और उसके स्थान के बारे में बात करते हुए एक घंटा बिता सकते हैं, लेकिन हमारे उद्देश्यों के लिए, हम बस थोड़ी सी बात करना चाहते हैं, क्योंकि हमने पवित्र सेपुलचर का उल्लेख किया है, क्योंकि कब्र बंद है, जैसा कि यीशु के दफन और पुनरुत्थान का वर्णन किया गया है, हम एक बहुत ही दिलचस्प पुरातात्विक प्रश्न में भी वहां पहुंच गए। क्या वह पत्थर जो कब्र के सामने रखा गया था, निकोडेमस की कब्र, अरिमथिया के जोसेफ की कब्र, क्या वह एक लुढ़कता हुआ पत्थर था जो खुले स्थान पर लुढ़का हुआ था, या वह एक गोल प्लग पत्थर था? इनमें से कोई भी कथा में फिट बैठ सकता है, और ये दोनों दूसरे मंदिर काल के समय उस विशेष मंदिर से यरूशलेम में मौजूद हैं।

यह अधिक सुंदर रोलिंग स्टोन की तुलना में कहीं अधिक आम तौर पर पाया जाता है। चर्च ऑफ द होली सेपुलचर के पिछले हिस्से में शाफ्टों की एक श्रृंखला के साक्ष्य हैं जो पहली शताब्दी के हैं, इसलिए हम जानते हैं कि इस क्षेत्र का उपयोग पहली शताब्दी ईस्वी के दौरान दफनाने के लिए किया जाता था। मैं यह नहीं कह रहा कि वह यीशु की कब्र है; मैं बस यह कह रहा हूँ कि उस क्षेत्र में, हमारे पास वह है।

19वीं शताब्दी के अंत में, कई ईसाई थे जो पवित्र सेपुलचर चर्च में पहुंचे, उन्होंने देखा कि यह अनुष्ठान आदि के संदर्भ में उनके लिए बिल्कुल परिचित नहीं था, और इसलिए जनरल गॉर्डन नाम के एक व्यक्ति ने देखा यह, और स्कार्प, चूना पत्थर स्कार्प, ने इसे शायद खोपड़ी के प्रतिनिधि के रूप में देखा और सोचा, ओह, यह गोलगोथा है, जिसका अर्थ है खोपड़ी का स्थान। तो मकबरे के बगीचे के स्थान और पुनरुत्थान के स्थान के बारे में बातचीत के दिलचस्प अंश आगे-पीछे चल रहे हैं, लेकिन अभी के लिए, हम इसे केवल एक हवाई दृश्य और माउंट की याद के साथ छोड़ रहे हैं ऑलिव्स, टेम्पल माउंट, इतनी दूर दक्षिण की ओर जा रहा है, और हम इसे नहीं देख सकते क्योंकि यह बहुत नीचे है। दाऊद का नगर यहीं इस क्षेत्र में रहा होगा, और इसलिए दाऊद के साथ जा रहा हूँ और पहाड़ियों पर जाकर कह रहा हूँ, मैं अपनी आंखें उठाता हूँ जहां से मेरी सहायता आती है।

ठीक है, हम यरूशलेम छोड़ देंगे और अगली बार एक और क्षेत्रीय अध्ययन शुरू करेंगे।

यह डॉ. एलेन फिलिप्स और बाइबिल अध्ययन के परिचय पर उनका शिक्षण है। यह सत्र 6 है, यरूशलेम सिनाई से सियोन तक।